दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 118 | ग्वालियर, शुक्रवार, 01 मई 2020 | पृष्ठ: 08- मूल्य: 2 रु.

बॉलीवुड एक्टर ऋषि कपूर का

67 साल की उम्र में निधन, कैंसर से थे पीड़ित

नई दिल्ली। दो सालों तक ल्यूकेमिया से जूझने के बाद गुरुवार सुबह पौने नौ बजे बॉलीवुड एक्टर ऋषि कपूर का निधन हो गया है। बुधवार रात सांस लेने में परेशानी के कारण ऋषि कपूर को एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने आखिरी सांस ली। सुबह में अमिताभ बच्चन ने ट्वीट कर जानकारी दी कि ऋषि कपूर का निधन हो गया है और इस खबर से मैं टूट चुका हूं। ऋषि कपूर के भाई रणधीर कपूर ने भी कहा कि ऋषि हमारे बीच नहीं रहे।

सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने ऋषि कपूर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा, अभिनेता रहे ऋषि कपूर के निधन से गहरा धक्का लगा। वह एक महान अभिनेता ही नहीं बल्कि बहुत ही मानवता प्रेमी थे। उनके परिवार, मित्र और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना। ओम शांति।

ऋषि कपूर का साल 2018 में कैंसर का इलाज चला और वह करीब एक साल से ज्यादा वक्त न्यूयॉर्क में रहे, जहां पर उनका इलाज किया गया। उनके साथ उनकी पत्नी और अभिनेत्री नीतू सिंह थी। फरवरी में स्वास्थ्य कारणों के चलते ऋषि कपूर को दो बार अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एक इंटरव्यू में नीतू ने कैंसर के खिलाफ लड़ाई के बारे में बताया था, मेरी पहली प्रतिक्रिया वास्तव में बहुत खराब थी, मैं टूट गई थी, मेरे बच्चे टूट गए थे। हम ये नहीं जान पा रहे थे कि क्या करें। लेकिन, तब हमने सोचा खुद से ये कि हमें ही इस चुनौती से पार पाना है। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय सिनेमा के लिए यह एक भयानक सप्ताह है, आज एक और बेहतरीन अभिनेता ऋषि कपूर का निधन हो गया है। एक अद्भुत अभिनेता, हर पीढ़ी में जिनके कई प्रशंसक हैं, उन्हें बहुत याद किया जाएगा। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदना। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि युवा दिलों की धड़कन रहे बहुमुखी अभिनय-कला के धनी ऋषि कपूर जी का निधन एक युग का अंत है... भावभीनी श्रद्धांजलि ! उनकी गुनगुनाती यादें यूं ही गूंजती रहेंगी- 'चल कहीं दूर निकल जाएं...'।

ऋषि कपूर के निधन पर वीरेंद्र सहवाग का ट्वीट

वीरेंद्र सहवाग ने ऋषि कपूर के निधन पर ट्वीट में लिखा, ऋषि कपूर के निधन की खबर सुनकर बहुत दुखी हूं। उनके परिवार के साथ मेरी संवेदनाएं हैं, ओम शांति! वहीं पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा हिंदी कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने ट्वीट किया, कल इरफान खान... आज ऋषि कपूर। 2020 खोने का साल है। यह कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। क्या हम इस साल को आगे नहीं बढ़ा सकते हैं? कपूर परिवार के साथ मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं हैं। ओम शांति!

अक्षय कुमार ट्वीट

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने भी ऋषि कपूर के निधन की खबर सुनकर दुख जताया है। उन्होंने लिखा है कि ऐसा लग रहा है जैसे हम सभी एक बुरे सपने में हैं। अभी, ऋषि कपूर जी के निधन की खबर सुनी। वह एक अच्छे अभिनेता, को-स्टार और परिवार के लिए एक अच्छे दोस्त थे। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं।

न्यूज ट्रैक

नांदेड़ से लौटे श्रद्धालुओं ने बढ़ाई अमरिंदर सिंह की टेंशन

नई दिल्ली। पंजाब में नांदेड़ से लौटे श्रद्धालु कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार के लिए बड़ी टेंशन बनकर उभरे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नांदेड़ से लौटे 50 श्रद्धालु कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। यह कोरोना पॉजिटिव पंजाब के 22 जिलों में से दस जिलों में पाए गए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार सुबह पंजाब में कोरोना के 35 नए मामले सामने आए हैं। इससे यहां कोरोना पॉजिटिव मामलों की संख्या 357 तक पहुंच गई है। इसमें से 90 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है और 19 लोगों की मौत हो गई है। वहीं बुधवार को राज्य के विभिन्न जिलों से संक्रमण के 33 मामले सामने आए, जिसमें से नए संक्रमितों में महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित गुरुद्वारे से लौटे 23 सिख श्रद्धालु शामिल हैं। श्रद्धालुओं को महाराष्ट्र से वापस लाने में कई लापरवाही बरतीं गई हैं। इसमें सबसे पहले महाराष्ट्र से लागते वक्त श्रद्धालुओं का कोई कोरोना टेस्ट नहीं किया गया। इतना ही नहीं एक बस में 40-40 लोगों को लाया गया, जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों की धज्जियां उड़ाई गई।

देशभर में कोरोना के मामलों की संख्या 33 हजार पार, अब तक 1074 लोगों की मौत

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का कहर पूरी दुनिया में देखने को मिल रहा है। भारत में भी इसके मामलों लगातार इजाफा हो रहा है और देशभ में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 1074 हो गई है, जबकि संक्रमित मामलों की तादाद बढ़कर 33050 पर पहुंच गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण से रिकार्ड 66 लोगों की मौत हुई है जबकि मरीजों की संख्या में 1718 का इजाफा हुआ है। मंत्रालय ने बताया कि संक्रमण से 8324 मरीज ठीक हो गए हैं और एक मरीज देश से चला गया था। वहीं 23651 लोगों का अब भी अस्पतालों में संक्रमण का इलाज चल रहा है।

- स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण से रिकार्ड 66 लोगों की मौत हुई है जबकि मरीजों की संख्या में 1718 का इजाफा हुआ है।

-देशभर में गुरुवार को कोरोना वायरस के मामले बढ़कर 33050 हो गए हैं और इस खतरनाक कोविड-19 से अब तक 1074 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना के कुल 33050 केसों में 23651 एक्टिव केस हैं, वहीं 8325 लोगों को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है।

पंजाब पुलिस के एसआई इलाज के बाद लौटे घर, कर्फ्यू के दौरान हमले में काट दिया गया था हाथ

नई दिल्ली। पंजाब पुलिस में सब-इंस्पेक्टर हरजीत सिंह पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ से इलाज के बाद गुरुवार को पटियाला स्थित अपने घर लौट आए। 12 अप्रैल को हरजीत पटियाला की सब्जी मंडी में कर्फ्यू को सख्ती से लागू करवाने पहुंचे थे, जिसके बाद कुछ लोगों ने उनके ऊपर हमला कर दिया था। इस हमले में उनका हाथ कट गया, जिसे बाद में सर्जरी के जरिए जोड़ दिया गया था।पंजाब के पटियाला जिले में रविवार (12 अप्रैल) को निहंगों के एक समूह ने पुलिस दल पर हमला कर दिया था और तलवार से एक अधिकारी का हाथ काट दिया। इस हमले में तीन अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हो गए थे। पुलिस के मुताबिक, ÷एक एसयूवी में सफर कर रहे निहंगों के एक समूह ने उस समय पुलिस दल पर हमला किया जब उनसे पटियाला जिले में एक थोक सब्जी मंडी के बाहर कर्फ्यू पास दिखाने को कहा गया। इसके बाद पुलिस ने एक कार्रवाई की और गुरुद्वारे से 11 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस ने कुछ गोलियां भी चलाईं। हमले में सहायक उप निरीक्षक हरजीत सिंह का हाथ तलवार से काट दिया गया और तीन अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस समूह ने पुलिस दल पर सन्नौर नगर में थोक सब्जी मंडी के बाहर हमला किया। इसमें एक मंडी अधिकारी भी घायल हो गया। हमले के बाद यह समूह भाग गया और पटियाला शहर से लगभग 25 किमी दूर बलबेरा गांव में निहंग डेरा परिसर में छुप गया जहां गुरुद्वारा खिचड़ी साहिब भी स्थित है।

अब आदर्श नगर में एक ही परिवार के

11 लोग मिले कोविड-19 संक्रमित

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में जहांगीरपुरी और शाहदरा के बाद अब आदर्श नगर स्थित एक घर में 11 कोरोना संक्रमित मरीज मिले

हैं। मजलिस पार्क निवास डाइटीशियन के परिवार के कोरोना संक्रमित होने के बाद यहां की तीन गलियां सील कर दी गई हैं। दिल्ली के लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में महिला डाइटीशियन के संक्रमित होने के बाद उनके परिवार के सभी 11 सदस्य कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सील की गई तीनों गलियों में बड़े स्तर पर जांच की जाएगी। इस एरिया को हॉटस्पॉट भी घोषित कर दिया गया है। यहां देखा जाएगा कि यह संक्रमण कहीं गली के अन्य लोगों तक तो नहीं पहुंच गया। इसके साथ ही यहां के लोगों को कहा गया है कि यदि उनमें कोई लक्षण दिखाई देते हैं तो वह तुरंत जिला प्रशासन को इसकी सूचना दें। जिला प्रशासन ने नगर निगम को इस इलाके में सैनिटाइजेशन के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली में कोरोना संक्रमितों की संख्या 3439 हुई-राजधानी दिल्ली में बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 125 नए मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3439 हो गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बुधवार रात को ट्विटर पर यह जानकारी दी। दिल्ली में इस समय कोरोना के 2291 मरीज हैं और अब तक 56 लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। राजधानी में 1092 लोग कोरोना संक्रमण से पूरी तरह ठीक भी हुए हैं।

कोरोना संकट पर चर्चा: राहुल से बोले रघुराम राजन- गरीबों की मदद के लिए 65 हजार करोड़ रुपये की होगी जरूरत

नई दिल्ली। कोरोना संकट के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज यानी गुरुवार से अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ संवाद की अपनी श्रृंखला शुरू की है, जिसके तहत पहला संवाद उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन से की। कोरोना संकट, लॉकडाउन, अर्थव्यवस्था और इसके प्रभावों के ऊपर राहुल गांधी ने रघुराम राजन से विस्तृत चर्चा की। इस दौरान आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा कि लॉकडाउन का दूसरा या तीसरा चरण विनाशकारी होगा। राहुल गांधी के साथ वीडियो सीरीज में कोरोना संकट और अर्थव्यस्था की स्थिति पर चर्चा के दौरान राहुल के सवाल पर कि गरीबों की मदद के लिए कितने पैसे की जरूरत होगी तो रघुराम राजन ने कहा कि कोरोना वायरस से प्रभावित जरूरतमंदों की मदद के लिए करीब 65 हजार करोड़ रुपये की आवश्यक्ता होगी। उन्होंने आगे कहा कि हम ऐसा कर भी सकते हैं क्योंकि हमारी जीडीपी दो लाख करोड़ की है।

साद पर शिकंजा: सरकारी लैब की रिपोर्ट के लिए

क्राइम ब्रांच ने भेजा मौलाना को नोटिस

नई दिल्ली। तबलीगी जमात प्रमुख मौलाना साद की कोरोना जांच रिपोर्ट का क्राइम ब्रांच को अब भी इंतजार है। क्राइम ब्रांच का कहना है कि मौलाना को एम्स या मान्य सरकारी लैब से टेस्ट कराकर रिपोर्ट सौंपने को कहा गया था। इस मामलों को लेकर क्राइम ब्रांच ने चौथा नोटिस जारी किया है। क्राइम ब्रांच का कहना है कि मौलाना ने कई सवालों के जवाब अभी नहीं दिए हैं। मौलाना के वकील ने कहा कि हमने निजी लैब से तबलीगी जमात के चीफ मौलाना साद की जांच कराई थी, जिसकी रिपोर्ट निगेटिव आई है। उस रिपोर्ट की कॉपी क्राइम ब्रांच को भेजी गई है। वहीं ईडी की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि फंडिंग की कमान चार लोगों के हाथों में थी। इसमें मौलाना, उनके बेटों और भांजे लेनदेन से जुड़े मामलों की मॉनीटरिंग करते थे।

मौलाना के वकील ने कहा, हम पूरा सहयोग कर रहे-मौलाना के वकील का कहना है कि हम जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्राइम ब्रांच ने जो भी निर्देश दिए हैं, उसका पालन कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या आप एम्स से टेस्ट कराएंगे, तो उनका जवाब था कि अगर क्राइम ब्रांच कहती है कि किसी सरकारी लैब की टेस्ट रिपोर्ट चाहिए तो जैसे ही सहूलियत मिलेगी, हम उसे करा लेंगे। अभी लॉकडाउन

की वजह से बाहर निकलना संभव नही है।

महाराष्ट्र में कोरोना जांच से मना नहीं कर सकते अस्पताल-क्लीनिक, सरकार ने दी कार्रवाई की चेतावनी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्य सचिव अजय मेहता ने गुरुवार को राज्य में सभी अस्पतालों को निर्देश दिया कि किसी भी मरीज को जांच करने से मना नहीं किया जाए क्योंकि इस संबंध में कई निजी अस्पतालों और क्लीनिकों के खिलाफ ढेर सारी शिकायतें आ रही हैं। महाराष्ट्र सरकार के निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के प्रति चेताते हुए मेहता ने कहा कि आधिकारिक आदेश 2 मई से लागू होंगे। राज्य में कोविड-19 के लगातार बढ़ रहे मामलों को देखते हुए मुख्य सचिव ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को किसी भी परिस्थिति में मरीजों को बिना जांच के नहीं लौटाने का निर्देश दिया था। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कोविड-19 के नमूने लिए जाने के 12 घंटे के अंदर जांच के परिणाम आ जाए और 30 मिनट के भीतर मृत मरीजों के शवों को अस्पताल के वार्ड से हटाया जाए। हालांकि, आदेश के पालन में दिक्कत हो रही है क्योंकि कोविड-19 की जांच के नमूने लिए जाने के 48 घंटे बाद परिणाम आ रहे हैं और ऐसे भी मामले सामने आए हैं जब मृतक मरीजों का शव वार्ड में चार घंटे से भी ज्यादा समय तक रखा रहा।

विदेशों में अपने राजदूत से बातचीत कर

कोरोना से लड़ने की रणनीति बना रहा है भारत, जयशंकर ने संभाली कमान

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई, भारत पर इसके प्रभाव और आगे की रणनीति पर विदेश में भारतीय दूतों के साथ विस्तृत बातचीत की। यह जयशंकर का विदेश में शीर्ष भारतीय राजनयिकों के साथ बैठकों का दूसरा दौर है। 20 मार्च को पहली बातचीत में विदेशों में फंसे भारतीयों पर चर्चा की गई थी। तब उन्होंने भारतीय नागरिकों से आग्रह किया था कि वे स्थिर रहें और घबराएं नहीं। गुरुवार की इस बातचीत में अगले कुछ हफ्तों में फंसे भारतीयों को घर लाने की सरकार की योजना पर चर्चा हो सकती है। जयशंकर ने एशिया प्रशांत क्षेत्र के दूतों के साथ शुरुआत की है। इसके बाद वे

दक्षिण-पूर्व एशियाई देश और फिर दक्षिण एशिया के देशों में राजदूतों से बात करेंगे। इस बातचीत में केवल जयशंकर नहीं होंगे बल्कि विदेश मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी भी इसमें शामिल होंगे। भारतीय राजनयिक इस बात पर भी ध्यान दे रहे हैं कि दूसरे देशों ने उस वायरस से कैसे निपटा है, जिसने केवल चार महीनों में 225,000 लोगों की जान ले ली है। 3 मिलियन से अधिक को संक्रमित कर कई देशों को लॉकडाउन मोड में डाल दिया है। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलो में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। देशभर में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या 33 हजार पार कर गई है। पिछले 12 घंटे में कोरोना वायरस के 1263 नए मामले सामने आए हैं, वहीं 66 लोगों की मौत हो गई है। गुरुवार को जारी स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देशभर में कोरोना वायरस के मामले बढ़कर 33050 हो गए हैं और इस खतरनाक कोविड-19 से अब तक 1074 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना के कुल 33050 केसों में 23651 एक्टिव केस हैं, वहीं 8325 लोगों को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। कोरोना वायरस से सर्वाधिक 432 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई। यहां अब इस महामारी से पीड़ितों की संख्या 11940 हो गई है।

प्रवासियों को वापस लाने के लिए केंद्र से स्पेशल ट्रेन चलाने की अपील

पटना। अन्य राज्यों में फंसे बिहार के श्रमिक और छात्रों को वापस लाने में बिहार सरकार ने अपनी असमर्थता जाहिर की है। राज्य के डिप्टी सीएम सुशील मोदी ने ट्वीट कर केंद्र सरकार से स्पेशल ट्रेन चलाने की मांग की है। बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अन्य राज्यों में फंसे प्रवासियों की घर वापसी के लिए एक गाइडलाइंस जारी की थी। इसके बाद बिहार के लोगों में उम्मीद जगी थी कि वे अपने राज्य वापस जा सकेंगे। हालांकि सरकार के इस फैसले के बाद सुशील मोदी ने कहा था कि हमारे पास संसाधन की कमी है। हम छात्रों और मजदूरों को वापस लाने में असमर्थ हैं। गुरुवार को डिप्टी सीएम मोदी ने एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने लिखा, मैं भारत सरकार से अपील करता हूं कि वे स्पेशल ट्रेन चलाए ताकि प्रवासियों को वापस लाया जा सके। इससे पहले उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने रेल चलाने की इजाजत नहीं दी है। ऐसे में अन्य राज्यों में फंसे बिहार के छात्रों और श्रमिकों को बस से आना होगा। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के पास इतनी बसें ही नहीं हैं कि हम विभिन्न राज्यों से लोगों को वापस लाएं। हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा कि हम अन्य राज्य सरकारों से इस मामले पर बातचीत करेंगे और आपसी सहमति के मुताबिक फैसला लिया जाएगा।

शहर में 20 जून तक नहीं होगा कोई सार्वजनिक कार्यक्रम

मुरादाबाद। लॉकडाउन-2 वैसे तो तीन मई तक है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी घोषणा करेंगे कि यह आगे बढ़ेगा या तीन मई के बाद लॉकडाउन में छूट मिलेगी। इसके बीच यूपी के मुरादाबाद जिला प्रशासन ने साफ किया है कि जिले में आगामी 20 जून तक निषेधाज्ञा लागू रहेगी और किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने गुरूवार को कहा कि बुद्धपूर्णिमा, जमात उलविदा एवं ईद उल फितर मनाए जाने के अलावा नागरिक संशोधन अधिनियम के विरोध की आंशका के मद्देनजर जिले मे लोक व्यवस्था बनाये रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 कोरोना वायरस के संक्रमण की मौजूदा स्थिति को देखते हुये धारा 144 के अतंर्गत निषेधाज्ञा जारी की गयी है, जो अगले माह 20 जून तक लागू रहेगी। निषेधाज्ञा की अवधि में कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का जुलूस, प्रदर्शन, मीटिंग या जनसभा बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के नहीं करेगा।

MPPSC : मप्र में एमपीपीएससी की

सहायक प्राध्यापकों की चयन सूची निरस्त, 2500 नियुक्तियां रद्द

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने बुधवार को अहम फैसला देते हुए मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2017 (असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा) की रिवाइज्ड चयन सूची को गलत बताते हुए निरस्त कर दिया। चीफ जस्टिस एके मित्तल एवं जस्टिस विजय शुक्ला की खंडपीठ ने बुधवार को पीएससी को 2 माह के भीतर एमपी सिविल सेवा नियम 1997 के नियम 3 के तहत महिलाओं को 33 फीसदी होरिजोंटल आरक्षण देते हुए नई लिस्ट जारी करने के निर्देश दिए हैं। यहां बता दें कि पीएससी ने 2500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली है, लेकिन हाईकोर्ट के इस फैसले से ये नियुक्तियां समाप्त हो जाएंगी। एमपीपीएससी ने चयन सूची में जनरल कैटेगरी की महिलाओं के लिए आरक्षित कोटे में अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को चयनित कर लिया

गया था। पीएससी के इस चयन में खामियां बताते हुए इंदौर की लालिमा विजयवर्गीय और जनरल कैटेगरी की करीब 80 महिलाओं ने हाईकोर्ट याचिकाएं दायर की थीं। मामले पर हाईकोर्ट ने अंतिम फैसला देते हुए कहा कि सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षित कोटे में एससी, एसटी या ओबीसी महिला को समायोजित नहीं किया जा सकता भले ही उनके प्राप्तांक सामान्य वर्ग की महिला से ज्यादा हों। याचिकाकताओं की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि मध्य प्रदेश लोक सेवा सेवा आयोग की ओर से वर्ष 2017 में सहायक प्रदधापको की भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। इसके बाद पीएससी द्वारा जारी रिजल्ट में महिला आरक्षण का पालन नहीं किया गया। सामान वर्ग के लिए आरक्षित विभिन्न विषयो की सीट पर ओबीसी की 91 महिलाए मेरिट के आधार पर नियुक्त किया गया है। जो आरक्षण के होरिजोंटल नियम का उल्लंघन किया गया है। नियमानुसार मेरिट मे टॉप अभ्यथीर्यो को माइग्रेट (अनारक्षित) नही किया जा सकता है। जिस वर्ग मे जो महिला है वह उसी वर्ग में उन्हें लाभ मिलना चाहिए। युगल पीठ ने याचिकाओं की सुनवाई करते हुए 13 मार्च को अपना फैसला सुरक्षित रखने के आदेश जारी किए थे।

संपादकीय

नेताओं की परीक्षा ले रहा कोरोना

कोरोना वायरस दुनिया भर के राजनेताओं के साहस की परीक्षा ले रहा है। तमाम भौगोलिक सीमाओं और इलाकों की हदबंदी से परे यह वायरस समूचे राजनीतिक वर्ग के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रहा है और हमारे मुख्यमंत्री भी इसके अपवाद नहीं हैं। अपने-अपने राज्यों के भीतर इस संक्रमण से मोर्चा ले रहे मुख्यमंत्रियों की नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक कौशल को भी यह विषाणु उजागर कर रहा है। तमिलनाडु में जब इस वायरस ने सिर उठाना शुरू किया था, तब मुख्यमंत्री पलानीसामी ने हालात से निपटने की अच्छी शुरुआत की थी। अपनी कोशिशों को लेकर वह इस कदर आश्वस्त थे कि उन्होंने तब विधानसभा सत्र को छोटा करने की विपक्ष की मांग को ठुकरा दिया था। उस वक्त सत्र चल रहा था। पलानीसामी ने तो महामारी पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने के विपक्षी सुझाव को भी नजरंदाज कर दिया था। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री सी विजय भास्कर ही इस बीच सरकार का चेहरा बनकर उभरे। लेकिन जब वहां संक्रमण के मामलों में तेजी आने लगी, तो पलानीसामी सरकार लड़खड़ाती हुई दिखी। शुरू में तो तबलीगी जमात से लौटे लोगों के कारण वहां संक्रमण के ज्यादातर मामले सामने आए। जब भारतीय जनता पार्टी ने विवादास्पद बयान देना शुरू किया, तो मुख्यमंत्री ने इस महामारी के सांप्रदायीकरण को खारिज करने में वक्त लगा दिया। स्वास्थ्य प्रवक्ता शुरू से इसे 'एकल स्रोत' के रूप में पेश करते रहे। जब नियमित पीसीआर विधि द्वारा स्रोतों व संपर्कों की जांच शुरू हुई और संक्रमितों की संख्या स्थिर होने लगी, तो इससे उत्साहित मुख्यमंत्री ने फौरन घोषणा कर डाली कि नए संक्रमण के मामले में तमिलनाडु शीघ्र ही शून्य स्तर पर पहुंच जाएगा। लेकिन कुछ दिनों बाद मरीजों की संख्या बढ़ने लगी, तो मुख्यमंत्री का आकलन गलत साबित हो गया। रैपिड टेस्ट किट के आने के बाद राज्य एक दिन में छह हजार से अधिक संदिग्धों की जांच करने लगा, तो पॉजिटिव लोगों की संख्या भी बढ़ती चली गई। ऐसे में, तमिलनाडु सरकार ने 26 अप्रैल से राज्य के पांच बड़े शहरों में अधिक सख्ती से लॉकडाउन लागू करने का फैसला किया। शुक्रवार को जब इस निर्णय का एलान किया गया, तो इन सभी शहरों में अफरा-तफरी मच गई। लोग किराना और सब्जी की दुकानों पर उमड़ पड़े। इस तरह, एक महीने के लॉकडाउन और शारीरिक दूरी की उपलब्धियां बौनी साबित हो गईं। इन दो घटनाओं ने मुख्यमंत्री के प्रशासनिक कौशल को सवालों के घेरे में ला दिया है। राहत की बात सिर्फ यह है कि तमिलनाडु में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला सरकारी अस्पताल तक स्वास्थ्य सेवाओं का काफी मजबूत ढांचा है। यकीनन अन्य राज्यों के मुकाबले में यहां स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर अच्छा है, मगर यदि महामारी ने विकराल रूप धारण किया, तो यह सब नाकाफी हो जाएगा। इस बीच पड़ोसी राज्य केरल एक सुखद कामयाबी के साथ सामने आया। कोविड-19 के प्रबंधन के मामले में केरल देश का पहला राज्य है, जिसने यह एलान किया कि महामारी का प्रसार अब उसके यहां नियंत्रण में है। लेकिन एक अनुचित उत्साह के तहत उसने सार्वजनिक परिवहन में कुछ छूट की घोषणा भी कर डाली थी, जिसे केंद्र ने फौरन खारिज कर दिया। ऐसे में, बगैर कोई वक्त गंवाए राज्य सरकार ने फौरन अपने आदेश को वापस ले लिया। इस एक भूल के अलावा केरल इस महामारी से निपटने में काफी सक्रिय रहा है। 30 जनवरी को वहां कोरोना संक्रमण का पहला मामला सामने आया था।

कृषि क्षेत्र की चुनौतियां

सुविज्ञा जैन

कृषि क्षेत्र की चुनौतियां महामारी और बाढ़ के अंदेशे को देखते हुए सरकार को ज्यादा से ज्यादा अनाज भंडारण पर ध्यान देना चाहिए। इससे किसानों को भी फौरी आर्थिक मदद मिलेगी, गांवों में औद्योगिक माल की खपत बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था का चक्का चलेगा। लेकिन ज्यादा सरकारी खरीद तभी संभव है जब सरकारी अनाज भंडारों में पहले से अटा पड़ा अनाज निकाल कर जरूरतमंदों के बीच पहुंचा दिया जाए। भयावह मंदी के बीच अचानक देश के कृषि क्षेत्र से बड़ी उम्मीदें लगाई जाने लगी हैं। कृषि से यह उम्मीद डूबते को तिनके का सहारा है। लेकिन क्या वाकई कृषि की स्थिति अचानक इतनी सुधर गई है कि वह डूबती अर्थव्यवस्था बचा ले जाएगी? वैसे अब तक हम कहते तो यही रहे हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था उद्योगों के विकास पर ही टिकी है।

बहरहाल, देश के किसानों की दुश्वारियां देखते हुए कृषि से यह उम्मीद बेमानी ही है। दरअसल देश में यह वक्त रबी की फसल की कटाई का है। प्राकृतिक और आर्थिक संकटों के बावजूद इस साल रबी के फसल अगर ठीकठाक नजर आ रही है तो यह भारतीय किसानों की हाड़तोड़ मेहनत का ही नतीजा माना जाना चाहिए। वरना किसानों पर लगातार संकटों ने उन्हें तबाह करने में कोई कसर छोड़ी नहीं है। सिर्फ पिछले एक साल को लेखे में लें तो कोई आठ महीने से खेती किसानी भारी संकट से गुजरी है। आठ महीने पहले पिछला मानसून इतनी बेतरतीब चाल चला कि किसानों को खरीफ की फसल उगाने में भारी मशक्कत करनी पड़ी थी। पिछले मानसून के शुरूआती दो महीनों में बहुत कम बारिश हुई थी। किसानों को सिंचाई के लिए वक्त पर पानी नहीं मिल पाया और आखिर के दो महीनों में जरूरत से ज्यादा बारिश से देश के तेरह राज्य बाढ़ की चपेट में आ गए थे। वह आपदा गुजरी ही थी कि पता चला कि मंदी ने देश की अर्थव्यवस्था को ही अपनी चपेट में ले लिया है। गौर से देखें तो इसकी सबसे ज्यादा चोट किसान को ही पहुंची।

पिछले साल जिन दिनों अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के लिए उद्योग जगत को भारी भरकम पैकेज दिए जा रहे थे, उन्हीं दिनों कृषि क्षेत्र के जानकार और किसान संगठन उद्योग जगत की तर्ज पर ही कृषि के लिए राहत पैकेज की मांग कर रहे थे। सरकार के स्तर पर कुछ हो पाता उसी बीच मौसम ने फिर भारी तबाही मचा दी थी। कई जगह बेमौसम बारिश और भारी ओलावृष्टि ने खड़ी फसलें बर्बाद कर डालीं। आलू, प्याज, टमाटर, गेंहूं, चने जैसी कई फसलों को बहुत बड़े इलाके में नुकसान पहुंचा था। किसान मुआवजे की गुहार में लगे ही थे कि पिछले महीने ही कोरोना की आफत सिर पर आ पड़ी। इसने पहले से लड़खड़ा रही कृषि की कमर तोड़ दी। लिहाजा कृषि क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था को राहत पहुंचाने लायक मानना बेमानी लगता है।

पीछे का सब कुछ भूल भी जाएं, लेकिन आज भी किसान के सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। कोरोना किसान पर स्वास्थ्य का खतरा तो लाया ही है, साथ ही उसने किसान की आजीविका पर भी बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। सिर्फ चार घंटे के नोटिस पर पूर्णबंदी के फैसले से पूरा देश अचानक बंद हो गया था। जो जहां था वहीं रुक गया। सारे काम-धंधे रातों-रात बंद हो गए। जो माल जहां था, वहीं रोक दिया गया। पकी पकाई फसलें किसानों के पास ही फंस गईं। साग सब्जियों के ट्रक और ट्रालियां जो रास्ते में थे, वे वहीं ठहरा दिए गए। इसका नतीजा यह हुआ कि उनमें लदा ज्यादातर कृषि उत्पाद रास्ते में ही सड़ गल गया। जो कुछ मंडियां तक पहुंचा भी, वह भी मुश्किल से बिका। गांव, किसान या खेती के लिए आगे की चुनौतियां भी कम नहीं हैं। रोजगार छिन जाने से गांव की ओर भागे मजदूरों की चुनौती भी छोटी नहीं है। जगजाहिर है कि शहरों में मजदूरी करने वाले गांव के ये लोग कुछ पैसा बचा कर अपने घर यानी गांव भेजा करते थे। भले ही यह रकम थोड़ी-सी होती थी, लेकिन पूर्णबंदी के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए यह छोटा-सा सहारा भी जाता रहा। तुरत-फुरत समाधान सुझाने वाले कथित आशावादी विद्वान सुझा सकते हैं कि शहरों से लौटे इन मजदूरों कामगारों को कृषि में ही लगा दिया जाए। ऐसे लोगों को याद दिलाया जा सकता है कि भारतीय कृषि पहले से ही छद्म बेरोजगारी का शिकार है। छद्म बेरोजगारी जिसका मतलब होता है कि किसी काम में जरूरत से ज्यादा लोगों का लगा होना। इस अप्रिय वास्तविकता को कौन नहीं जानता कि गांव में कृषि के अलावा रोजगार के दूसरे उत्पादक विकल्प आज तक नहीं बनाए जा सके हैं। यानी पूर्णबंदी के चलते अपने गांव वापस लौटे मजदूरों को कृषि में ही खपाने की गुंजाइश हाल-फिलहाल दूर-दूर तक नहीं दिखाई देती। किसान के सामने खड़ी इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार जो कुछ कर रही है, वह भी हमारे सामने है। मसलन, पहले पूर्णबंदी की मियाद खत्म होने के एक रोज पहले सरकार ने दूसरे दौर की पूर्णबंदी का एलान किया है।

अलबत्ता इस बीच 20 अप्रैल से कुछ काम-धंधों को चालू करने के लिए कुछ रियायतें भी दे दी गई हैं। कृषि क्षेत्र के दूसरे व्यवसाय मसलन चाय, कॉफी, रबर, दुग्ध उत्पाद और खेती के उपकरणों की बिक्री को भी रियायत दी गई है। इसके पहले पिछले हफ्ते ही 15 अप्रैल से देश में गेहूं की खरीद शुरू करने का एलान कर दिया गया था। लेकिन इस एक हफ्ते का अनुभव यह है कि सरकारी खरीद पिछले साल जैसी रफ्तार भी नहीं पकड़ पा रही है। जबकि इस समय देश के बीसियों लाख किसान अपना गेहूं फौरन बेचना चाह रहे हैं। ऐसे में एक सुझाव यह बनता है कि गेहूं की सरकारी खरीद के लिए कुछ-कुछ दूरी पर अस्थायी खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ा दी जाए। कुछ राज्यों में सरकारी प्रबंधकों ने इसे सुझाया भी है। लेकिन अनाज की सरकारी खरीद की इस व्यवस्था में अतिरिक्त खर्च और आकस्मिक प्रबंधन की चुनौतियां भी कम नहीं हैं। पर संकटकाल में खर्च की चिंता करना भी समझदारी नहीं होगी। किसानों की मुश्किलों के मद्देनजर इस साल सरकारी खरीद की मात्रा कम रखने की प्रवृत्ति से बचा जाएगा, तो बेहतर होगा। यानी वक्त की नजाकत को देखते हुए इस बार सरकारी खरीद पहले के मुकाबले कई गुनी बढ़ी हुई दिखनी चाहिए।

एक बात सनद रहे और वक्त पर काम आए कि सरकारी मौसम विभाग के वैज्ञानिक अनुमान अक्सर अटकल ही साबित होते हैं। पिछले साल सरकारी अनुमान छियानवे फीसद बारिश का था और बारिश हो गई थी एक सौ दस फीसद। नतीजतन तेरह राज्यों में बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी थी। इसलिए इस बार मौसम विभाग के सौ फीसद बारिश के अनुमान के भरोसे में रहना ज्यादा जोखिम भरा है। इस बार देश में पहले से ही संवेदनशील स्थितियां हैं। लिहाजा बाढ़ प्रबंधन की तैयारियां अभी से करके रखना ही समझदारी है। ९कोरोना संकट के कारण एक बहुत बड़ा तबका बेरोजगार हो चुका है। यह तबका राशन-पानी के लिए सरकार पर ही निर्भर होगा। महामारी और बाढ़ के अंदेशे को देखते हुए सरकार को ज्यादा से ज्यादा अनाज भंडारण पर ध्यान देना चाहिए। इससे किसानों को भी फौरी आर्थिक मदद मिलेगी, गांवों में औद्योगिक माल की खपत बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था का चक्का चलेगा। लेकिन ज्यादा सरकारी खरीद तभी संभव है जब सरकारी अनाज भंडारों में पहले से अटा पड़ा अनाज निकाल कर जरूरतमंदों के बीच पहुंचा दिया जाए। वरना सरकारी खरीद का नया अनाज रखेंगे कहां?

इसी के साथ कृषि उत्पाद को उपभोक्ताओं तक पहले की तरह सुचारू रूप से पहुंचाने के लिए भी भारी मशक्कत करनी पड़ेगी। पूर्णबंदी ने कृषि आपूर्ति के चक्र को भी ध्वस्त कर दिया है। पर्याप्त मालवाहक ट्रेनों और ट्रकों को फिर से दौड़ाने से लेकर माल ढोने वाले मजदूरों और आपूर्ति कमचारियों का फिर से इंतजाम करना पड़ेगा। कुल मिलाकर अगर कृषि क्षेत्र में फिर से जान फूंकनी है तो कई मोर्चों पर एकसाथ काम करने पड़ेंगे।

कोरोना आपदा

संजीवनी बनेगी प्लाज्मा थैरेपी!

योगेश कुमार गोयल

विश्वभर में लाखों लोगों की जान ले चुके कोरोना के कहर से लोगों को बचाने के लिए दुनियाभर के वैज्ञानिक वैक्सीन बनाने में जुटे हैं लेकिन कोरोना की प्रभावी वैक्सीन या टीके उपलब्ध होने में अभी काफी लंबा समय लग सकता है। यही कारण है कि कोरोना मरीजों की जान बचाने के लिए अब प्लाज्मा थैरेपी का उपयोग किए जाने पर विचार किया जा रहा है। कोरोना की वैक्सीन और इस थैरेपी में सबसे बड़ा अंतर यही है कि जहां वैक्सीन लगने के बाद मरीज के शरीर का रोग प्रतिरोधी तंत्र स्वयं एंटीबॉडीज बनाने लगता है, जिससे संक्रमण होने पर शरीर में बैक्टीरिया अथवा वायरस को निष्क्रिय करने की क्षमता होती है।

दूसरी ओर प्लाज्मा थैरेपी में मरीज को जो एंटीबॉडीज दी जाती हैं, वे शरीर में स्थायी तौर पर मौजूद नहीं रहती। एंटीबॉडीज प्रोटीन से बनी विशेष प्रकार की इम्यून कोशिकाएं होती हैं, जिन्हें मेडिकल भाषा में बी-लिम्फोसाइट कहा जाता है। शरीर के भीतर जब भी कोई बाहरी चीज पहुंचती है, ये तुरंत अलर्ट हो जाती हैं। शरीर में बैक्टीरिया अथवा वायरस द्वारा छोड़े जाने वाले विषाक्त पदार्थों को निष्क्रिय करने का कार्य ये एंटीबॉडीज ही करती हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा इस थैरेपी के उपयोग हेतु रक्त प्लाज्मा से कोरोना मरीजों के उपचार के ट्रायल की अनुमति दे दी गई है। अब देश के पांच आयुर्विज्ञान कॉलेज तथा अस्पतालों में इसका क्लीनिकल ट्रायल किया जाएगा। फिलहाल तिरूवनंतपुरम स्थित चित्रा तिरूनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान को क्लीनिकल ट्रायल के तौर पर सीमित संख्या में इस तकनीक के इस्तेमाल की अनुमति दी गई है। कोरोना रोगियों के उपचार के लिए इस थैरेपी को इसलिए अपनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं क्योंकि कोरोना से ठीक हो चुके एक ही व्यक्ति के रक्त से कोरोना के चार नए मरीजों का इलाज किया जा सकता है। दरअसल एक व्यक्ति के रक्त से 800 मिलीलीटर तक प्लाज्मा लिया जा सकता है और कोरोना संक्रमित किसी मरीज के शरीर में एंटीबॉडीज डालने के लिए करीब 200 मिलीलीटर तक प्लाज्मा चढ़ाया जा सकता है। कोरोना संक्रमण से उबर चुके मरीज के शरीर से एंटीबॉडीज उसके ठीक होने के 14 दिन बाद ही लिए जा सकते हैं और प्लाज्मा देने वाले व्यक्ति की पूरी जांच करके सुनिश्चित किया जाता है कि उसे कोई और बीमारी तो नहीं है। जिस चीन ने कोरोना नामक अपनी जानलेवा सौगात के जरिये पूरी दुनिया में कोहराम मचाया है, उसी चीन में इसी प्लाज्मा थैरेपी के जरिये कुछ मरीजों की जान बचाने की खबरें कुछ समय पहले सामने आई थी। चीनी अध्ययनकर्ता खुलासा कर चुके हैं कि वेंटिलेशन पर पहुंचे कोरोना के कुछ गंभीर मरीजों की जान कोन्वल्सेंट प्लाज्मा से बचाई गई थी। उनके मुताबिक इस प्लाज्मा थैरेपी के 12 से 24 घंटे में ही कई गंभीर मरीजों में सुधार आने लगा था। बताया जाता है कि फरवरी माह में चीन के करीब बीस ऐसे डॉक्टरों और नर्सों ने अपने प्लाज्मा दान किए थे, जो कोरोना से संक्रमित होने के बाद ठीक हुए थे। इन प्लाज्मा का उपयोग वहां कोरोना के कई मरीजों पर किया गया और कहा जाता है कि इससे मरीजों के उपचार में काफी मदद मिली। वहां के डॉक्टरों के अनुसार प्लाज्मा थैरेपी के अध्ययन के आरंभिक नतीजों के आधार पर कोरोना के टीके या कारगर दवा के अभाव में विशेष प्लाज्मा का प्रयोग कोरोना रोगियों के इलाज का एक कारगर उपाय है। चीन के अध्ययनकर्ताओं के दावों के बाद अमेरिका तथा इंग्लैंड में इस थैरेपी को लेकर ट्रायल शुरू हो चुके हैं और हमारे यहां भी इसके ट्रायल की अनुमति दी जा चुकी है। ब्रिटेन में ग्लासगो विश्वविद्यालय के अध्ययनकर्ता प्रो. डेविड टेपिन द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य अध्ययन संस्थान में कोन्वल्सेंट प्लाज्मा से क्लीनिकल ट्रायल की अनुमति मांगी गई है। अमेरिका में भी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा कोरोना से ठीक हो चुके लोगों से प्लाज्मा दान करने की अपील की जा चुकी है। ऐसा नहीं है कि इस थैरेपी के जरिये वायरस संक्रमित मरीजों का इलाज करने पर पहली बार विचार किया जा रहा हो बल्कि पिछले करीब सौ वर्षों से इस पद्धति को अपनाया जाता रहा है। प्लाज्मा थैरेपी के दौरान ऐसे हाइपर इम्यून व्यक्तियों की पहचान की जाती है, जो वायरस को हराकर स्वस्थ हो चुके होते हैं और उनके श्वेत रक्त से प्लाज्मा लिया जाता है। इसी प्लाज्मा को कोन्वल्सेंट प्लाज्मा कहा जाता है। यही प्लाज्मा गंभीर रूप से बीमार रोगी के शरीर में चढ़ाया जाता है, जिसके बाद वायरस संक्रमित व्यक्ति का शरीर रक्त में उस वायरस से लड़ने के लिए एंटीबॉडी बनाने लगता है। एंटीबॉडी बनने की प्रक्रिया शुरू होने के बाद शरीर वायरस से लड़ने में समर्थ हो जाता है और रोगी के स्वस्थ होने की उम्मीद बढ़ जाती है। प्लाज्मा थैरेपी इस धारणा पर कार्य करती है कि कोरोना संक्रमण से ठीक हो चुके मरीजों के शरीर में संक्रमण को बेअसर करने वाले प्रतिरोधी एंटीबॉडीज (प्लाज्मा) विकसित हो जाते हैं। ठीक हुए ऐसे मरीजों के रक्त से प्लाज्मा निकालकर इन एंटीबॉडीज के जरिये नए मरीज के शरीर में मौजूद कोरोना वायरस का सफाया किया जाता है। इस थैरेपी में एफेरेसिस विधि से कोरोना से उबर चुके रोगी के शरीर से रक्त निकाला जाता है और इसी रक्त से केवल प्लाज्मा या प्लेटलेट्स जैसे अवयवों को निकालकर शेष बचा रक्त वापस डोनर के शरीर में चढ़ा दिया जाता है। एम्स के मेडिसन विभाग के डा. नवल विक्रम के मुताबिक प्लाज्मा थैरेपी सभी रोगियों को देने की जरूरत नहीं है बल्कि जिनकी तबीयत ज्यादा खराब है, यह उन्हीं को दी जाए तो ज्यादा बेहतर है। उनके मुताबिक पहले भी सार्स तथा स्वाइन फ्लू जैसे कई संक्रामक रोगों में इस थैरेपी का इस्तेमाल हो चुका है। प्लाज्मा थैरेपी के तहत डॉक्टर ऐसे मरीजों का प्लाज्मा एकत्र करते हैं, जो कोरोना वायरस का संक्रमण होने के बाद ठीक हो जाते हैं और फिर उस प्लाज्मा को उन मरीजों को चढ़ा दिया जाता है। जिनका कोरोना का इलाज चल रहा है। इससे रोगी का रोग प्रतिरोधक तंत्र इन एंटीबॉडीज की मदद से इन्हीं जैसी और एंटीबॉडीज बनाना शुरू कर सकता है। ये एंटीबॉडीज किसी भी व्यक्ति के शरीर में उस वक्त विकसित होना शुरू होती हैं, जब वायरस उनके शरीर पर हमला करता है। ऐसी परिस्थिति में ये एंटीबॉडीज वायरस पर हमला करते हुए उसे निष्क्रिय करने का कार्य करती हैं।

ज्ञान गंगा

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे। एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, 'देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें।' इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, 'शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो।' सेठ अचरज से बोला, 'कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।' अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, 'कहिए कैसे याद किया?' दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, 'यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं।' दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, 'बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता।' अध्यापिका ने सेठ से कहा, 'जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें।' सेठ ने वैसा ही किया।

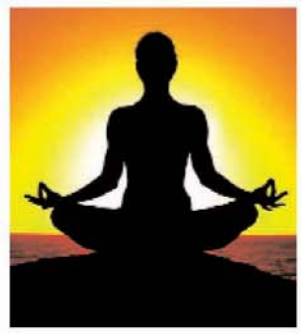

प्रतिभा से बहुत कुछ हांसिल हो सकता है

आज वो शख्स इस दुनियाँ से चला गया जिसने हमेशा ये साबित किया कि जिन्दगी में आप अपनी प्रतिभा से बहुत कुछ हासिल कर सकते हो, आज इमरान खान हमारे बीच नहीं हैं लेकिन जो आपने सिखाया बहुत ही प्रेरणा दायक, कुछ चीजें दुखद हैं फिर वो बेशक एक महामारी की वजह से कि आप अपनी माँ से अन्तसमय ना मिल पाय ना जाकर दर्शन कर पाये, लेकिन सिखा गये कि दुनियाँ से कभी भी विधाई आ सकती है कभी भी इसलिये मिली जिन्दगी को अर्थमय बनाओ, क्योंकि हमेशा लोगों के जाने के बाद ही पता चलता है कि आखिर कौन रोएगा आपकी मर्त्यु पर, आज पूरा देश रो रहा है, हर वो शख्स जिसने आपको 1व्व भी समझा होगा, फिर ना किसी ने ये देखा कि आप हिन्दू हो या मुश्लिम, सबको लगा कि उनका भाई, बेटा चला गया, मेरी नजर में 2 लोगों ने इंसानियत में अभी तक बताया कि देखो भारत एक बेटे से प्यार करता है, ना कि हिन्दू या मुसलमान से, एक थे कलाम जी जब उनके पीछे पूरा भारत रोया था, जी हाँ पूरा भारत, और आज बेशक (कोरोना की वजह से) आपके आखरी वक्त में लोग आपके साथ नहीं चले लेकिन सबकी आँखें नम थीं। आखिर आप थे ही इतने अच्छे, बहुत ही अच्छे, काश ये बात सभी वो लोग समझ पाते (हिन्दू-मुश्लिम के नाम पर लड़ाने वाले हकीकत में जो देशभक्त नहीं हैं, दिन-रात नफरत फैलाते हैं), एक विवेकानंद जी थे, एक कलाम जी, अटल जी और आज आप। अन्त में इतना ही कि आप हम सभी भारतीयों के दिल में हमेशा रहोगे।

पाकिस्तान की संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था इमरान खान की सोच से ज्यादा चोट पहुंचा रही है

कोविड-19 महामारी दुनिया भर में लगभग तीस लाख मामलों के साथ सुर्खियों में बनी हुई है. ऐसे हालात में भी इस महामारी के प्रकोप द्वारा पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था प्रभावित होने की संभावना पर लगभग हर रोज़ कई खबरें सामने आ रही हैं. इनके अनुसार, तालाबंदी से बहुत पहले से ही पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था चरमराई हुई थी और दशकों से ऐसा ही है. इससे लोगों को ताकत मिल सकती है.

राजसत्ता को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने की हो रही पहल

प्रो.संजय द्विवेदी

मनुष्यों की तरह सरकारों का भी भाग्य होता है। कई बार सरकारें आती हैं और सुगमता से किसी बड़ी चुनौती और संकट का सामना किए बिना अपना कार्यकाल पूरा करती हैं। कई बार ऐसा होता है कि उनके हिस्से तमाम दैवी आपदाएं, प्राकृतिक झंझावात और संकट होते हैं। इस बार सत्तारुढ़ होते ही मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ऐसे ही संकटों से दो-चार हैं।

सत्ता ग्रहण करते ही वैश्विक कोरोना संकट ने उनके सामने हर मोर्चे पर चुनौतियों का अंबार ला खड़ा किया। यहीं पर अनुभव, राज्य की शक्ति और सीमाओं की समझ तथा समाज की चिंताओं का अध्ययन काम आता है। मध्यप्रदेश जैसे भौगोलिक तौर पर विस्तृत राज्य की चुनौतियां बहुत विलक्षण हैं। चुनौती इसलिए भी बड़ी है क्योंकि उसके दोनों बड़े शहरों इंदौर और भोपाल में कोरोना का संक्रमण विकराल दिखता है। कोरोना का संकट एक ऐसी चुनौती है जिससे उबरना आसान नहीं है। सच तो यह है कि इस संकट के सामने दुनिया की हर सरकार खुद को विवश पा रही है। शपथ लेते ही जिस तरह खुद को झोंककर मप्र के मुख्यमंत्री ने अपनी दक्षता दिखाई वह सीखने की चीज है। शिवराज सिंह की खूबी यह है कि वे अप्रतिम वक्ता और संवाद कला के महारथी हैं। उनकी वाणी और कर्म में जो साम्य है, वह उन्हें हमारे समय के राजनेताओं में एक अलग ऊंचाई देता है। उनकी खूबी यह भी है कि वे सिर्फ कहते नहीं हैं, खुद को उस अभियान में झोंक देते हैं। ऐसे में जनता, शासन-प्रशासन और सामाजिक संगठन उनके साथ होते हैं। कोरोना युद्ध में भी उन्होंने पहले तो लोगों को आश्वस्त किया कि वे लौट आए हैं। उनका पुराना ट्रैक भी एक भरोसा जगाता है, जिसमें हर वर्ग की परवाह है, उनसे संवाद है और योजनाओं का सार्थक क्रियान्वयन है। सरकार संभालते ही उन्होंने पहले तो कोरोना योद्धाओं को भरोसा दिया कि वे निर्भय होकर काम करें और उनकी चिंता सरकार पर छोड़ दें। यही कारण है कि डाक्टरों और पुलिस पर हमले और असहयोग करने वालों को उन्होंने जेल के सींखचों के भीतर डालकर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून जैसे कड़े कदम उठाए। इसके बाद मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना की शुरूआत की है जिसमें कोरोना की बीमारी में सेवा दे रहे कर्मियों के कल्याण की बात की गई। हर स्तर की चिकित्सा सेवाओं से जुड़े कर्मी, गृह विभाग, नगरीय निकाय के हर स्तर के कर्मी, निजी संगठनों के लोग व कोविड-19 से संबंधित सेवाओं में जुड़े हर पात्र कर्मी को इससे जोड़ा गया है। अपनी जान पर खेल लोगों की जान बचाने वाले लोगों के कर्त्तव्यबोध को जगाने का यह अप्रतिम प्रयास है। इसके तहत सेवा के दौरान प्रभावित होने और जान जाने पर 50 लाख तक के मुआवजे का उनके आश्रितों को प्रावधान है। किसानों पर अपने अनुराग के लिए शिवराज जाने ही जाते हैं। उन्हें किसानों के आंसू पोंछने और राज्य को कृषि क्षेत्र में ऊंचाइयों पर ले जाने का श्रेय है। किसानों को कष्ट न हो इसके लिए उनकी सरकार हर उपाय करती ही है। इसके साथ ही श्रमिकों के साथ उनकी संवेदना बहुज्ञात है। दूसरे राज्यों में फँसे श्रमिकों को वापस लाने, कोटा में फँसे विद्यार्थियों को वापस लाने की पहल को इसी नजर से देखा जाना चाहिए। सामान्य योजनाओं से समझा जा सकता है कि वे लोगों के कष्ट को समझते हैं तो सामाजिक सहभागिता के अवसर भी जुटाते हैं। महिलाओं से मास्क बनाने का आह्वान उनकी इसी सोच का परिचायक है जिसमें प्रति मास्क 11 रुपए दिए जाने का योजना है। इसे उन्होंने जीवनशक्ति योजना का नाम दिया है। किसानों के कल्याण और उन्हें सही मूल्य मिले इसके लिए सरकार शीघ्र ही मंडी एक्ट में संशोधन के लिए भी तैयार है। राज्य में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को स्व-सहायता समूहों की तरह सशक्त बनाने की भी तैयारी है। कोरोना को लेकर उनकी पूरी टीम पूरी सक्रियता से मैदान में है। वे ही हैं जो सरकार, संगठन, सामाजिक संगठनों, धार्मिक नेताओं, आम लोगों और समाज के हर वर्ग से संवाद करते हुए संकटों का हल निकाल रहे हैं। संवाद में उनका भरोसा है इसलिए वे राज्य स्तरीय समिति में नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, पूर्व मुख्य सचिव निर्मला बुच, जबलपुर के लोकप्रिय चिकित्सक डा. जितेंद्र जामदार आदि के साथ चर्चा कर राहें निकाल रहे हैं। शिवराज जी की खूबी है कि वे अपनी सहजता, सरलता और भोलेपन से लोगों के दिलों में जगह बनाते हैं तो वहीं जब दृढ़ता प्रदर्शन करना होता है, तो वे कड़े फैसले लेने में संकोच नहीं करते। इस बार सत्ता में आते ही उन्होंने जिस तरह ताबड़तोड़ फैसले लिए उसने यह साबित किया कि वे शांति काल के नायक तो हैं ही, संकट काल में भी अपना धैर्य नहीं खोते। असली राजनेता की यही पहचान है। राज्य की आर्थिक चिंताओं से बड़ी इस राज्य के लोगों की जिंदगी है। तभी कोरोना संकट से मुकाबले के प्रारंभ में ही मुख्यमंत्री ने कहा ह्यजान है तो जहान है। आर्थिक प्रगति तो हम कभी भी कर लेंगें पर जीवन न रहा तो उसका क्या मतलब। यह साधारण वक्तव्य नहीं है। यह एक तपे हुए राजनेता का बयान है, जिसके लिए अपने राज्य के लोग ही सब कुछ हैं। इसीलिए अब वे हैप्पीनेस फामूर्ले की बात कर रहे हैं।

सूर्या फाउंडेशन की प्रेरणा से क्षेत्र के ग्राम मुंडला एवं ग्राम बागनखेड़ा तहसील इच्छावार जिला

सिहोर से राशि एकत्रित कर मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा की गई

सूर्या फाउंडेशन के चयनित आदर्श ग्राम मुंडला एवं ग्राम बागनखेड़ा के सेवाभावी युवाओं ने अनूठी पहल करते हुए राशि एकत्रित की एवं माननीय मुख्यमंत्री जी को पत्र लिखते हुए राशि राहत कोष में जमा की गांव वालों की तरफ से माननीय मुख्यमंत्री को पत्र लिखा गया कि वर्तमान में पूरा देश कोरोना महामारी के संकट से लड़ रहा है जिसमें सरकार द्वारा किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं साथ ही सभी स्वास्थ्य कर्मी पुलिस जवान सफाई कर्मचारी बैंक कर्मी सहित सभी अधिकारी जो कि अपनी जान की परवाह किए बिना ही देश हित में कार्य कर रहे हैं हम आपके ऋणी रहेंगे संकट की इस घड़ी में हम सब आपके साथ है अतः गांव के सभी वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन से युवाओं द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष में सहयोग देने हेतु राशि एकत्रित की है अतः छोटी सी राशि स्वीकार कर हमें अनुग्रहित करें इस मौके पर गांव वालों ने मिलकर सभी स्वास्थ्य कर्मी एवं पुलिस अधिकारी का पुष्प वर्षा के साथ ताली बजाकर स्वागत सम्मान किया इस अवसर पर पुलिस अधिकारी द्वारा सरकार के नियमों एवं सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में विशेष तौर से बताया गया साथी स्वास्थ्य विभाग से आए हुए डॉक्टरों द्वारा कोरोना वायरस से बचने एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के सहज घरेलू उपाय बताएं सरकार के सभी नियमों का पालन करने को कहा मास्क लगाना सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना से बार-बार सैनिटाइजर से हाथ धोना लॉक डाउन का पालन करने को कहा स्वागत करता में गांव के वरिष्ठ पटेल जीवन सिंह, पहलाद सिंह भगतजी, राजपाल परमार, भादर सिंह, भेरु सिंह,नरेंद्र सिंह लखन सेन, मदन सिंह,फूल सिंह, राहुल ठाकुर, महेंद्र ठाकुर, कैलाश भाटी ,उपस्थित थे इस अवसर सभी ने मास्क लगाएं एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा पालन किया।

राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन सेवा आयोग नयी दिल्ली के नेतृत्व में आज जिला झांसी में गरीबों को निशुल्क भोजन कराया गया जिसमें हमारे माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष मुननीलाल शर्मा जी एवं हमारे माननीय राष्ट्रीय महासचिव ह्रदेश खरे जी एवं बुदेंलखंड कायृवाहक (महिला प्रकोष्ठ बुंदेलखंड अध्यक्ष) रानी शर्मा जी मंडल प्रभारी संतोष श्रीवास्तव जी वरिष्ठ जिला उपाधयक्ष बृजेश सोनी जी एवं सिक्योरिटी सदस्य सचिन सोनी जी इन सब की सहयोग राशि एवं इनका एक महत्वपूर्ण भूमिका एवं योगदान रहा सभी ने अपना कायृ अपनी पूरी निष्ठा के साथ निभाया।

जिगना पुलिस की अपराधियों पर पैनी नजर मिली बड़ी सफलता

7 घंटे के अंदर हत्या के प्रयास कर रहे तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

संदीप प्रधान ब्यूरो

जिगना थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा ने बताया की दिनांक 28- 4-20 मलखान सिंह लोधी राहुल लोधी अजय लोधी सभी आरोपी निवासी कमरारी को भंवर सिंह लोधी अनिल लोधी विपिन लोधी द्वारा लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से स्कॉर्पियो गाड़ी के किराए को लेकर घातक हमला किया गया था जिस पर मलखान लोधी की रिपोर्ट पर थाना जिगना में भंवर सिंह लोधी अनिल विपिन के विरुद्ध अपराध क्रमांक 72/20 धारा 307, 32,3 ,34 मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक महोदय अमन सिंह राठौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय आरडी प्रजापति, एसडीओपी धर्मेंद्र तोमर जी द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए दिए गए गिरफ्तारी हेतु निर्देश। मुख्य भूमिका इनकी रही थाना प्रभारी जिगना रविंद्र शर्मा सउ नी महेश श्रीवास्तव प्रआर राजेंद्र दीक्षित और रविंद्र दिलीप प्रधान गिर्राज।

थाना जगनेर क्षेत्र में एक मृत गाय की सूचना पर जिला गौरक्षा प्रमुख रवि परिहार ने तुरंत सूचना वाले क्षेत्र में संपर्क कर करतार परमार को आदेश दिया

जितेंद्र सिंह परमार रिपोर्टर

आगरा। सभी कठिनाइयों में सामाजिक कार्य करने वाले राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ता थाना जगनेर क्षेत्र में एक मृत गाय की सूचना पर जिला गौरक्षा प्रमुख रवि परिहार ने तुरंत सूचना वाले क्षेत्र में संपर्क कर करतार परमार को आदेश दिया कि जहां के कार्यकर्ता हैं वह अपने एक 1 किलोमीटर के क्षेत्र में ही कार्य करें वहीं के लोगों से मदद लें दूर-दूर के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को ना बुलाएं लॉक डाउन का पालन करें सामाजिक कार्य सोशल डिस्टेंसिंग बनाकर करते रहे वही मौके पर करतार परमार जिला सह सुरक्षा प्रमुख करण परमार विश्वजीत परमार सेवक परमार ने ट्रैक्टर ट्राली की मदद से गांव से बाहर खाली स्थान में हिंदू रीति रिवाज से गाय का अंतिम संस्कार किया और आदेश का पालन किया।

खरीदी केंद्र पर न छांव न पानी,किसान के साथ खुलेआम हो रही बेईमानी

दबोह खरीदी केन्द्र पर किसानों को सेंपल व तुलाई के नाम पर लगाई जा रही चपत

दबोह(अर्पित गुप्ता)

दबोह नगर में शासन के आदेशानुसार हायर सेकेंडरी स्कूल के ग्राउंड में गेहू उपार्जन खरीदी केन्द्र बनाया गया है खरीदी केंद्र पर कर्मचारियों द्वारा भोले भाले किसानों को सरे आम लूटा जा रहा है।एक ओर शिवराज सरकार किसानों के लिए बड़े बड़े दावे कर रही है लेकिन वह दावे केवल हवा हवाई होते दिख रहे हैं धरातल पर देखा जाये तो योजना सही तरीके संचलित नही हो रही है धरातल पर तो किसानों को खुलेआम लूटा जा रहा है और लूट रहे हैं।वहीं सरकारी कर्मचारी किसान किस तरह धूप बरसात व सर्दी में खून पसीने से कमाये हुये अनाज को जब उपार्जन केन्द्र पर बेंचने आता तो ये वही सरकारी नुमाइंदे जिन्हें प्रशासन ने किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिये बैठा रखा है वही कर्मचारी किसानों को तुलाई व सेंपल के नाम से खुले आम किसानों को लूट रहे है और किसानो से सेंपल व पल्लेदारी के नाम से लगभग 15 से 20 किलो गेंहू लिया जा रहा हैं और तुलाई में 51 किलो की तोल की जा रही हैं जबकि बोरी का बजन 500 ग्राम होता हैं दबोह उपार्जन केन्द्र पर एक किसान से 25 से 30 किलो गेहू एस्ट्रा लिया जा रहा है।सूत्रो की माने तो एक दिन में यहाँ पर 10 से 15 किसानो की तुलाई की जा रही है।जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रति दिन किसानों को कर्मचारियों के द्वारा भारी चपत लगाई जा रही है।साथ ही इस केन्द्र पर किसानों को ऐसी गर्मी में छांव पर पानी की भी कोई समुचित व्यवस्था नही की गई है किसान ट्राली के नीचे या ट्रैक्टर पर धूप पानी व आधी में अपनी बारी आने का इन्तेजार कर रहा है।

कोरोना वायरस के चलते नही बरती जा रही सतर्कता,शासन के आदेश की हुई अभेलना-खरीदी केंद्र दबोह पर प्रबंधक की मनमानी के चलते कोरोना वायरस महामारी को हल्के में आंका जा रहा है और कोई सतर्कता भी नही बरती जा रही है क्यों कि खरीदी केंद्र पर जो भी कर्मचारी व पल्लेदार लगे हैं वह बिना मास्क का उपयोग किये खुलेआम अपना कार्य कर रहे हैं तो वहीं प्रबंधक की मनमानी के चलते केंद्र पर बैठे कम्प्यूटर ऑपरेटर महोदय भी बिना मास्क के किसानों की भीड़ लगाए सोशल डिस्टेंस के नियमो की अभेलना करते हुए अपना कार्य करते नजर आए।

मध्य प्रदेश सरकार के विमान से भेजे जाते हैं कोरोना जांच के लिए सैंपल, PPE किट में पैक रहते हैं पायलट

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार के विमान और इसके पायलट अब तक वीवीआईपी लोगों को लाते और ले जाते रहे हैं, लेकिन अब ये कोविड-19 की जांच के लिए नमूनों को प्रयोगशालाओं तक तुरंत पहुंचाने की नई चुनौती को पूरा करने में लगे हुए हैं। यह कोई साधारण उड़ान नहीं होती हैं। इसमें पायलटों को दिल्ली और पुदुचेरी की प्रयोगशालाओं तक नमूनों को ले जाने के लिए पीपीई किट पहनने सहित कई अन्य कड़े प्रोटोकॉल का सामना करना पड़ता है। प्रदेश के विमानन विभाग के कैप्टन विश्वास राय ने बताया, ''यह हमारे लिए काफी चुनौतीपूर्ण कार्य है। विमान उड़ाने के लिए हमें पीपीई किट पहनना पड़ता है, जो कि कठिन है, क्योंकि हम इसके अभ्यस्त नहीं हैं। लेकिन, मैं और मेरे वरिष्ठ कैप्टन माजिद राष्ट्रहित में इसे करते हैं।'' उन्होंने बताया कि वह अब तक तीन उड़ानें दिल्ली और एक उड़ान पांडिचेरी के लिए भर चुके हैं। इसमें लगभग छह हजार नमूने प्रयोगशालाओं में पहुंचाए गए हैं। पीपीई किट पहनकर विमान उड़ाने के अनुभव साझा करते हुए राय ने कहा कि यह आसान नहीं है, क्योंकि इससे पूरा शरीर ढक जाता है।

हर गरीब असहाय मजदूरों को चिन्हित कर लगातार मिल रहा राशन : सीएमओ

दबोह(मोहित गोस्वामी)। देश में कोरोना वायरस की महामारी के कारण का लॉकडाउन जिसका सबसे ज्यादा असर किसान, मजदूर, बेसहारा, गरीब, अअसहाय तबके के लोगों के ऊपर पड़ा है। जिसके चलते शासन ने उनके लिए राशन की व्यवस्था की है।जिसमे आटा,चावल शामिल है।दबोह मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने बताया कि शासन के द्वारा गरीबो को राशन वितरण करने के लिए नगर परिषद दबोह को पुनः राशन मिल चुका है जिसमे 50 क्विंटल गेंहू व 25 क्विंटल चावल प्राप्त हुए हैं।जो नगर परिषद के कर्मचारी,आपदा दल व समाजसेवियों के द्वारा लोगो को चिन्हित किया जा रहा है जिसके बाद एक टीम उनकी जांच करने जाती है अगर जांच के उपरांत वह वास्तविक में गरीब पाया जाता है तो उसे नगर परिषद की ओर से 10 किलो गेंहू,2 किलो चावल मसाले राशन आदि दिया जा रहा हैं।उन्होंने बताया कि टीम के द्वारा हर वार्ड में लोगो को चिन्हित किया जा रहा है और उन तक राशन भी भेजा जा रहा है।उन्होने कहा कि इस मुहिम में उनके साथ आपदा दल की टीम के साथ साथ नगर के समाजसेवी व पत्रकारबन्धु भी जानकारी एकत्रित कर गरीबो तक राशन पहुंचाने में सहयोग कर रहे हैं। वही इस दौरान उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि वह लॉकडाउन का पूरी तरह से पालन करें और घरो में ही रहे।

लॉकडाउन में कथक डांस सीखा रही हैं भाभी जी घर पर हैं फेम शुभांगी अत्रे

टेलीविजन धारावाहिक 'भाभी जी घर पर हैं' की अभिनेत्री शुभांगी अत्रे अब ऑनलाइन नृत्य सिखाती नजर आएंगी। शुभांगी ने कहा, मैंने देखा कि लॉकडाउन की इस अवधि में कई लोग नृत्य को सीखने में अपनी रुचि दिखा रहे हैं। मैं उन सभी के लिए उपलब्ध हूं, जो ऑनलाइन इसे सीखना चाहते हैं। वह आगे कहती हैं, जैसा कि लोग कहते हैं कि कला के इस खूबसूरत ज्ञान की कोई सीमा नहीं है, जिसे अधिक से अधिक साझा करने पर उसका और विकास होता जाता है..मैं यहां अपने इस ज्ञान को दूसरों के संग बांटने और खुद में सुधार लाने व लॉकडाउन के इस समय का आनंद लेने के लिए मौजूद हूं। शुभांगी को ऐसे कई लोगों से अनुरोध मिलते रहे हैं, जो कथक को सीखने की चाह रखते हैं। अभिनेत्री आखिर में कहती हैं, 29 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस के तौर पर मनाया जाता है, इसलिए मैं सोशल मीडिया पर आज ही से अपने क्लासेज की शुरूआत करूंगी।

डॉ. सिकरवार ने करीब 5800 गरीब परिवारों को खाध्य सामग्री वितरण की

ग्वालियर। गरीबों की मदद करने वाली षहर की सक्रिय सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास की ओर से आज करीब 5800 गरीब परिवारों को न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने खाद्यय् सामग्री का वितरण किया। यह वितरण नगर निगम के वार्ड क्रमांक 23 के कबीन नगर, तकिया कब्रिस्तान, भगवान कॉलोनी, गौतम नगर, गल्ला कोठार, तृप्ती नगर, छत्रपति षिवाजी नगर, नई बस्ती, षिवाजी नगर नदी पार टाल, श्रीनगर कॉलोनी, संजय नगर, षिवनगर कुम्हरपुरा, षिवाजी नगर कुम्हरपुरा, जगजीवन नगर, 60 फुटा रोड, कबीन कॉलोनी एवं नदी पार टाल का सम्पूर्ण क्षेत्रों में किया गया। क्षेत्रीय जनता ने डॉ. सिकरवार द्वारा चलाये जा रहे खाद्यय सामग्री वितरण अभियान की सरहाना की एवं पुश्प भेंट कर डॉ. सिकरवार का सम्मान किया। डॉ. सिकरवार ने यहां खाद्यय सामग्री का वितरण करते हुये कहा कि कोविड-19 (कोरोना) वायरस के कारण जनता को काफी परेषानियों का सामना करना पड़ रहा है, गरीब परिवारों का भरण-पोशण मजदूरी पर ही निर्भर रहता है, देष में फैलें कोरोना वायरस के कारण पूरे देष में लॉकडाउन लागू कर दिया गया है क्योंकि इस कोरोना जैसी महामारी के बचने का लॉकडाउन के अलावा और कोई उपाय नही है। डॉ. सिकरवार ने कहा कि क्षेत्र में कोई भी परिवार मेरे होते हुये भूखा नही रहेगा, इस आपदा के समय में मैं आपका बेटा, आपका भाई आपके साथ खड़ा हुआ हूँ और मैं आपको विष्वास दिलाता हूँ कि हमारा देष इस महामारी को हरायेगा। डॉ. सिकरवार ने खाद्यय् सामग्री वितरण करते हुय लोगों को कोरोना वायरस से बचने के उपायों के बारे में बताया।

सोनाक्षी ने मजाकिया अंदाज में कहा, डबल। यह पूछे जाने पर कि ऐसी कौनसी जगह है जहां वह हमेशा जाना चाहती थीं लेकिन जा नहीं सकीं तो सोनाक्षी ने बाली का नाम लिया।

सोनाक्षी सिन्हा ने किया फैन्स का मनोरंजन, रिलेशनशिप स्टेटस पर की बात

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का कहना है कि वह सिंगल नहीं बल्कि डबल हैं। सोनाक्षी ने इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों से सवाल पूछने के लिए कहा क्योंकि वह बोर हो रही थीं। सोनाक्षी ने मजाकिया अंदाज में कहा, डबल। यह पूछे जाने पर कि ऐसी कौनसी जगह है जहां वह हमेशा जाना चाहती थीं लेकिन जा नहीं सकीं तो सोनाक्षी ने बाली का नाम लिया। फिल्मों की बात करें तो सोनाक्षी आखिरी बार दबंग 3 में नजर आई थीं। वह अपनी अगली फिल्म भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया में अजय देवगन और संजय दत्त जैसे कलाकारों के साथ नजर आएंगी।

कोरोना वायरस से बचाव हेतु 2 लाख लोगों को बांटी आयुर्वेदिक औषधि

ग्वालियर। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय ग्वालियर द्वारा कोरोना महामारी से बचाव हेतु महाविद्यालय की 10 टीमों के माध्यम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवायें देकर लोगों की कोरोना से लड़ने हेतु शारीरिक रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु आयुर्वेद औषधि के रूप में त्रिकटु चूर्ण गुडूची घनवटी के रूप में प्रदाय की जा रही है, जबकि श्वसन तंत्र को मजबूत करने के लिये लोगों को नाक में अणु का तेल उपयोग करने की सलाह दी गई है। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेश शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय की 10 टीमें शहर में विभिन्न क्षेत्रों में जाकर अपनी सेवायें दे रही हैं। अभी तक लगभग 2 लाख व्यक्तियों को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु निःशुल्क आयुर्वेदिक दवाओं का वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि स्थानीय स्तर पर महाविद्यालय में अधीक्षक स्तर पर डॉ. सुश्रुत कनौजिया तथा बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. रितेश कुमार वर्मा को नोडल अधिकारी बनाया गया है। डॉ. कनौजिया ने बताया कि कोरोना एक संक्रामक विषाणु जनित बीमारी है, जिससे व्यक्ति में पूर्व से उपस्थित रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिये आयुर्वेदिक औषधियों का उपयोग किया जा सकता है। जिसमें मुख्य रूप से त्रिकटु चूर्ण, गुडूची घनवटी तथा श्वसन तंत्र को मजबूत करने के लिये नाक में अणु तेल काफी लाभदायक है।

35वां दिन का भोजन व राशन वितरण व गाय को चारा खिलाना, मुश्किल की घड़ी में हम मुँह नही मोड़ेंगे साथ निभाने का वादा किये है और हम निभाएंगे

अमित शर्मा रिपोर्टर

ग्वालियर / हम है ना शिक्षा एवं सशक्तिकरण समिति ने कलेक्टर ग्वालियर के निर्देशानुसार सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए, 400 पैकेट भोजन वितरण कराया। गौ माता को हरा चारा खिलाया पैकेट वितरण जिला अस्पताल मुरार, बस स्टैंड, फूटी कॉलोनी ,लाल टिपारा ,हाथी खाना, बंसी पुरा ,तिकोनिया ,आर्य नगर, नदी पार टाल,तृप्ति नगर क्षेत्र में किया गया। **आज का कार्यक्रम प्रिंस राठौर के सहयोग से किया**–वितरण में सहयोग आनंदम हेमंत त्रिवेदी, डॉ. अतुल रायजादा, चंदन कुशवाह ,सुनील राठौर, चन्दन राठौर, जीतू कुशवाह, सत्येंद्र राठौर, पंकज गॉड , शुभम कुशवाह, ने किया। इसके साथ ही सबको कोरोना से बचाव के सुझाव भी दिए।

एक मई को 15 लाख किसानों को मिलेंगे फसल बीमा के 2990 करोड़

ग्वालियर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के 15 लाख किसानों को एक मई को उनके बैंक खातों में फसल बीमा की कुल 2990 करोड़ की राशि प्राप्त हो जाएगी। श्री चौहान ने बताया कि पिछली सरकार ने खरीफ एवं रबी फसलों के लिए देय प्रीमियम 22 सौ करोड़ का भुगतान नहीं किया था। इसके कारण किसानों को फसल बीमा का लाभ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि हमने सरकार बनते ही मार्च माह में बीमा कंपनियों की यह राशि जारी कर दी, जिससे अब किसानों को फसल बीमा राशि प्राप्त हो जाएगी। प्रमुख सचिव कृषि ने बताया कि सरकार द्वारा खरीफ वर्ष 2018 तथा रबी वर्ष 2018-19 की फसल बीमा के प्रीमियम की राशि बीमा कंपनियों को जारी कर दी गई है। अब इन वर्षों की फसल बीमा की राशि किसानों को प्राप्त हो जाएगी। खरीफ 2018 में प्रदेश के 35 लाख किसानों द्वारा फसलों का बीमा कराया गया था। उनमें से 8.40 लाख किसानों को 19 सौ 30 करोड़ रुपए की बीमा राशि प्राप्त होगी।

कलेक्टर ने नगर का भ्रमण कर निगरानी समितियों के संबंध में ली जानकारी

ग्वालियर। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बहोड़ापुर एवं सत्यदेवनगर का भ्रमण कर वार्ड में निगरानी समितियों के संबंध में चर्चा कर जानकारी ली। इस दौरान स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती जयति सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सिंह ने भ्रमण के दौरान इंसीडेंट कमाण्डरों को निर्देश दिए कि वार्ड में निगरानी समितियों को क्रियाशील करें। उन्होंने कहा कि होम कवारंटाइन किए गए सभी लोगों को 14 दिन तक अपने घरों में रहकर लॉकडाउन का पालन करायें। श्री सिंह ने कहा होम क्वारंटाइन किए गए सभी लोगों की सूची वार्ड में सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा कर निगरानी समिति के सदस्यों को भी दें।

पांच दिवसीय अल्प-विराम सत्र ऑनलाइन आयोजित करने का निर्णय

लॉकडाउन में बाहर नहीं, भीतर चलें सिद्धांत पर होंगे सत्र

ग्वालियर। राज्य आनंद संस्थान द्वारा ऑनलाइन कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पाँच दिवसीय अल्प-विराम सत्र आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति संस्थान की वेबसाइट पर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। पाँच दिवसीय अल्प-विराम कार्यक्रम में प्रतिदिन सुबह 10 से 11.30 बजे तक सत्र होगा। इसके पहले सुबह 7 से 8 बजे तक सभी प्रतिभागियों को स्वयं डायरी पेन के साथ एक घंटा दिए गये प्रश्नों का अल्प-विराम लेना होगा। प्रथम आये-प्रथम पाए फार्मूले के आधार पर 40 प्रतिभागियों को इस कार्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा। कार्यक्रम के संबंध में अधिक जानकारी मोबाइल नम्बर-7723929667 पर प्राप्त की जा सकती है। जिन आवेदकों को अल्प-विराम कार्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा, उनके मोबाइल नम्बर के आधार पर संवाद के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा। व्हाट्सएप ग्रुप पर सभी प्रतिभागी एक-दूसरे से परिचय प्राप्त करेंगे। प्रतिदिन सुबह 10 से 11.30 बजे सत्र की लॉगइन आईडी एवं यूजर पासवर्ड पर दिया जायेगा। सत्र के लिए आप अपने घर में किसी भी शांत स्थान पर डायरी एवं पेन के साथ बैठें।

सत्रों का विषय–सत्र में पहले दिन- सेल्फ अवेयरनेस (समाज, परिवार एवं स्वयं के प्रति जागरूकता), दूसरे दिन- चिंता का दायरा-प्रभाव का दायरा, (कैसे चिंता को चिंतन में परिवर्तित कर समाधान की ओर बढ़ें), तीसरे दिन-जीवन का लेखा-जोखा (कृतज्ञता, क्षमा, माफी, धन्यवाद), चौथे दिन-सम्पर्क, सुधार और दिशा (शांत समय में भीतर की शक्ति से जुड़ना) और पाँचवे दिन- संबंध एवं जीवन का उद्देश्य विषय पर परिचर्चा होगी।

मनरेगा में सवा 7 लाख श्रमिकों को मिल रहा है रोजगार एक सप्ताह में 3 हजार नई पंचायतों में प्रारंभ हुए नवीन कार्य

ग्वालियर। प्रदेश में महात्मा गाँधी नरेगा योजना के अंतर्गत 22 हजार 226 पंचायतों में 97 हजार 363 रोजगार मूलक कार्य संचालित किये जा रहे हैं। इनमें 7 लाख 24 हजार 848 मजदूरों को रोजगार मुहैया कराया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि एक सप्ताह में 3 हजार ग्राम पंचायतों में लगभग 26 हजार नये कार्य प्रारंभ किये गये। इन कार्यों में साढ़े 4 लाख नए मजदूरों को रोजगार मिला है। अपर मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि भारत सरकार द्वारा जारी निर्देश के अनुसार हॉट-स्पॉट को छोड़कर शेष जिलों में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए रोजगार मूलक कार्य प्रारंभ करने के निर्देश सभी जिलों को दिये गये हैं। कार्य-स्थल पर मजदूरों को निःशुल्क मास्क, सेनिटाइजर और हैण्ड-वॉश के लिये साबुन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि कार्य-स्थल पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के निर्देश भी दिये गये हैं।

सी.एम. हेल्पलाइन से 4 लाख 75 हजार से अधिक लोगों को मिली राहत

ग्वालियर। प्रदेश में कोरोना के कारण लागू लॉकडाउन में सी.एम. हेल्पलाइन नम्बर 181 आम नागरिकों और सभी जरूरतमंदों के लिये सबसे बड़ा आसरा केन्द्र बन गया है। इस नम्बर पर अब तक 4 लाख 75 हजार 923 लोगों को फोन करने पर भोजन, राशन, दवाओं, परिवहन तथा अन्य प्रकार की राहत उपलब्ध कराई गई है। सी.एम. हेल्पलाइन किसानों के लिये भी मददगार साबित हो रही है। इस पर अब तक किसानों की फसल कटाई, फसल परिवहन आदि की 1019 समस्याओं का तुरंत निराकरण सुनिश्चित किया गया है। प्राप्त विस्तृत जानकारी के अनुसार सी.एम. हेल्पलाइन नम्बर 181 पर अब तक भोजन संबंधी 3 लाख 83 हजार 697, परिवहन संबंधी 23 हजार 174, दवाइयों संबंधी 28 हजार 080, आवश्यक वस्तुएं जैसे दूध, सब्जी आदि संबंधी 14 हजार 094 तथा अन्य प्रकार की 26 हजार 878 समस्याओं की जानकारी मिलते ही त्वरित कार्रवाई कर सहायता मुहैया कराई गई।

वाहनों का कर जमा करने की अंतिम तारीख 15 मई निर्धारित

ग्वालियर। राज्य शासन ने प्रदेश में लॉकडाउन के चलते वाहनों का संचालन और परिवहन कार्यालय बंद होने के कारण वाहनों का मासिक तथा त्रैमासिक कर जमा करने की अंतिम तारीख को बढ़ाकर 15 मई, 2020 निर्धारित कर दिया है। परिवहन आयुक्त श्री व्ही. मधु कुमार द्वारा म.प्र. मोटरयान कराधान नियम-1991 के नियम-7 के अंतर्गत इस बारे में परिपत्र जारी किया गया है।

समर्थन मूल्य पर 2 लाख 57 हजार मैट्रिक टन गेहूँ की खरीदी

ग्वालियर। शासन द्वारा घोषित समर्थन मूल्य पर ग्वालियर संभाग में अभी तक लगभग 2 लाख 57 हजार मैट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। संभाग में गेहूँ उपार्जन हेतु 352 केन्द्र बनाए गए हैं, जिस पर 43 हजार 572 किसानों से 2 लाख 56 हजार 931 मैट्रिक टन की खरीदी की गई है। जबकि एक लाख 86 हजार 352 मैट्रिक टन गेहूँ का परिवहन किया गया है।

ग्वालियर शहर में आसान किस्तों में बिना ब्याज के प्लॉट खरीदने का सुनहरा मौका।

TOMAR ASSOCIATES

प्लॉट खरीदने एवं निवेश के लिए सम्पर्क करें

मूलभूत सुविधाऐं

कॉलोनी के चारों और बाउण्ड्री बॉल
मैन गेट पर सी.सी.टी.वी. कैमरा व सिक्योरिटी गार्ड
लाईट, पानी, सीवर लाईन, कम्युनिटी हॉल
बच्चों के लिये गार्डन, सड़कों पर लाईट, मन्दिर,
सुन्दर विशाल पार्क, जिम, जॉगिंग ट्रेक,
वॉस्केट बॉल मैदान, स्वीमिंग पुल,
शॉपिंग कॉम्प्लैक्स व स्कूल की सुविधा।

मात्र 25 प्रतिशत प्लॉट की कीमत जमा करवाकर प्लॉट का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करवायें एवं शेष धनराशि 75% बिना ब्याज के दें।
ग्वालियर शहर में अपने सपनों का घर बनायें।

T&CP APPROVE FORM-4

बुकिंग मात्र 25,000/- से

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9713253992 7828039035

आवश्यकता है

पुष्पांजली राष्ट्रीय मासिक पत्रिका/ऑनलाइन न्यूज पोर्टल को भारत के हर राज्य, जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो चीफ, रिपोर्टर और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है।
इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।

देश के सभी प्रदेशों में, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, उड़ीसा, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, बिहार, गुजरात, गोवा, झारखंड

कार्यालयः ए-ब्लॉक 404 भाऊ साहब की पोतनिस, इन्जलेव मुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर

संपर्क: 7999246560, 8269307478

Email-pushpanjalitoday@gmail.com. Web-www.pushpanjalitoday.com

TOMAR ASSOCIATES

सोलर पेनल लगवाने पर बैंक द्वारा लोन की सुविधा।

सोलर पेनल लगाये और बिजली बिल से छुटकारा पायें।
साथ ही पर्यावरण बचायें। सौर्य ऊर्जा लगवाकर
म.प्र. सरकार से सब्सीडी पायें।

Bipin Tomar (Bhidosa)
Greennub Exclusive Partner

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9713253992 7828039035

VISION 2030

अब अपनी पढाई को दो रफ्तार

*SSC/ बैंक/ रेलवे/MPPSC/UPSC/ POLICE/SI के साथ ही सभी तरह की COMPETITION CLASSES

फ्री में आप हमारा App "VISION 2030 डाउनलोड कर सकते हैं
अगर आप कोचिंग/स्कूल चलाते है तो अपनी छात्र संख्या बढ़ाने के लिये सम्पर्क कर सकते हैं

Vision 2030

फेंचाइजी लेने के लिये सम्पर्क करें और हर माह 50 से 60000/- कमाना शुरु करें

HOME TUITION

Class:- 6th-12th हिन्दी मीडियम/इंग्लिश मीडियम/CBSE
MP/UP/GUJRAT/CG
BHIND/GWALIOR/DATIA/

संपर्कः ए-ब्लॉक 404 भाऊ साहब की पोतनिस मुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर 9691937250

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478